Raga of the Month July 2025 Raga Sagera/ Ahiravati

राग सगेरा / अहिरावती

राग सगेरा - इस राग का सृजन पंडित सी. आर. व्यासजी ने किया है। इस रागको अहिरावती इस नामसे भी जाना जाता है। इस रागमे अहीरभैरव , बिभास और कलावती इन रागोंका समावेश है। इस रागमे मध्यम स्वर वर्जित है; रिषभ और निषाद कोमल लगते हैं और गंधार , धैवत शुद्ध लगते है। इसकी जाती षाडव है। पंचम वादी तथा षडज संवादी है। इस रागका गानसमय दिनका प्रथम प्रहर माना गया है।

सा नि ध़ नि रे, ग रे ग रे सा इन स्वर समुदायोंसे अहीरभैरव ; प ग प, ग रे सा, सा रे ग प इन स्वर समुदायोंसे बिभास; तथा ग प ध नि , ध सा इन स्वर समुदायोंसे कलावती का आभास होता है।

इस रागका वर्गीकरण कर्नाटक संगीतके मेलकर्ता नंबर १६ चक्रवाक में किया जा सकता है। कर्नाटक संगीतका राग मलयमारुतम इस रागसे मिलता जुलता है।

आरोह - सा रे ग प, ध, नि सां। अवरोह - सां नि ध प, ग रे, सा ।

अथवा आरोह - सा नि रे, सा पग, प, ध सांनि, ध सां। अवरोह - सां नि ध प, ध->ग, प ध प, ग, रे सा ।

आज के ऑडीओ मे हम पंडित सी. आर. व्यासजी ने गाया हुआ राग सगेरा सुनेंगे।

आभार - पंडित यशवंत महाले.

01-07 -2025.

Link to the list of 170+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx